जीवजगत में विविधता

16

बोया पेड़ बबूल का तो आम कहां से होए? बिलकुल सही कहावत है। बबूल के पेड़ पर आम थोड़े ही लगते हैं। इसी प्रकार से जब गेहूं का बीज बोते हैं, तो गेहूं का पौधा ही उगता है। हम दूर से देखकर ही बता सकते हैं कि अमुक पेड़ पीपल का है और अमुक इमली का। गाय कितनी भी काली हो, उसे भैंस मानने की भूल कोई नहीं करेगा। चींटी कितनी भी मोटी हो जाए, हाथी थोड़े ही बन जाएगी। और हाथी कितना भी उपवास करे, चूहा नहीं बनेगा। हर जाति के जानवर, हर जाति के पेड़–पौधों की अपनी अलग–अलग खासियत होती है।

अलग–अलग जातियों के पेड़–पौधों ओर जीव–जन्तुओं में अंतर होते हैं यह तो सभी जानते हैं। परन्तु यदि एक ही जाति के दो जीव लें या एक ही जाति के दो पौधे लें, तो क्या उनमें भी अंतर होंगे? इसी बात का अध्ययन हम इस अध्याय में करेंगे।

पेड़-पेड़ की खासियत : प्रयोग 1

एक ही जाति के दो पेड़ों को ध्यान से देखो।

क्या दोनों पेड़ समान हैं? (1)
क्या इनमें कोई अंतर भी हैं? इन अंतरों की सूची बनाओ। (2)

चलो, अब छोटे–छोटे पौधों को देखते हैं। घास, दूब या किसी भी छोटे पौधे के बारे में तुम्हें क्या लगता है? ये पौधे तो हजारों–लाखों की संख्या में उगते हैं। इनमें से एक जैसे दो पौधे ढूंढ कर लाओ।